



देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 05

अंक - 60

जौनपुर, गुरुवार, 15 अक्टूबर 2026

सांन्ध्य दैनिक (संस्करण)

पेज - 4

मूल्य - 2 रुपये

संक्षिप्त खबरे

कनॉट प्लेस में तिरंगा फहराने का ऐलान, दिपके ने सरकार को दी खुली चुनौती

नई दिल्ली, (एजेंसी)। काँकरच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेता अभिजीत दिपके ने ऐलान किया है कि वे आज शुक्रवार को शाम पांच बजे कनॉट प्लेस के सेंट्रल पार्क में तिरंगा फहराएंगे। उन्होंने सरकार को चुनौती है कि यदि उसमें दम है तो वह आधिकारिक रूप से इमर्जेंसी लगाए। दिपके अपने साथियों आशुतोष राकां व सौरव दास की गिरफ्तारी से बेहद नाराज हैं। उन्होंने सवाल किया है कि क्या अपने देश में तिरंगा फहराना भी अपराध हो गया है?बुधवार को दिपके दिल्ली पहुंच गए। सूत्रों का कहना है कि वे यहां बैठकों कर आंदोलन को आगे बढ़ाने की रणनीति तैयार कर रहे हैं और जल्द ही मीडिया के सामने कार्यक्रम की घोषणा करेंगे। इससे पहले उन्होंने लोगों से शुक्रवार को शाम पांच बजे कनॉट प्लेस पहुंचने की अपील की। इसी समय वे वहां तिरंगा फहराएंगे। दिपके का कहना है कि उनके साथियों को जंतर मंतर पर तिरंगा फहराने के कारण ही जेल भेजा गया है, लेकिन वे इससे दबने वाले नहीं हैं। अपने देश का झंडा फहराने के लिए यदि सरकार उन्हें गिरफ्तार करना चाहती है, तो वे इसके लिए तैयार हैं।उनका आरोप है कि सरकार पुलिस के जरिए जनता की आवाज को दबाने का प्रयास कर रही है। यदि उसमें दम है तो आधिकारिक रूप से इमरजेंसी की घोषणा कर दे।

विपक्ष की रायिका पर ज्ञानेश कुमार और दोनों चुनाव आयुक्तों को नोटिस

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ दिल्ली में हुए विरोध प्रदर्शन और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में कई अहम मामलों पर सुनवाई हुई। अदालत ने एक ओर 10 अक्टूबर के प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई, मेट्रो स्टेशनों पर प्रतिबंध और इंटरनेट सेवाएं बंद करने से जुड़ी अवमानना याचिकाओं पर सुनवाई की, वहीं दूसरी ओर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और पक्ष ब्लॉक के नेताओं की याचिका पर चुनाव आयोग तथा शीर्ष चुनाव अधिकारियों को नोटिस जारी किया। सुनवाई के दौरान राहुल गांधी के आचरण को लेकर भी स्पष्टीकरण मांगा गया। इसके अलावा जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थल के रूप में अधिभूत स्थिति से हटाने की मांग वाली याचिका पर केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस से जवाब मांगा गया सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी, कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह और एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन औवैसी सहित विपक्षी नेताओं की याचिका पर चुनाव आयोग, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दोनों चुनाव आयुक्तों को नोटिस जारी किया। याचिका में चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर से जुड़े मुद्दे उठाए गए हैं।

सफाई कर्मी नींव का पत्थर हैं, यह दिखते नहीं हैं, लेकिन हर बड़े कार्यक्रम की इमारत हैं - सीएम योगी

वाराणसी, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ वाराणसी के दो दिवसीय दौर पर हैं। बृहस्पतिवार को उन्होंने शहर दक्षिणी स्थित सरोज पैलेस में स्वच्छता मित्र सम्मान समारोह में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकार बड़े- बड़े कार्य कर सकती है, लेकिन जागरूक जनता की जिम्मेदारी बड़ी है। अगर जनता जागरूक नहीं है तो बड़े- बड़े कार्य धराशायी हो जाते हैं। कहा कि नागरिक जागरूक तब होता है जब उसके द्वारा चुने गए जनप्रतिनिधि खुद जागरूक होते हैं। जब नेतृत्व खुद ही 12 बजे सोकर उठेगा तो क्या, भला होगा। जब नेतृत्व परिवार को प्रदेश मान लिया तो दुर्गति होगी। सीएम ने कहा ये जो 76 दिन का समय था



वाडों में सफाई का। यह बरसात का समय था। इस समय में जागरूक रहने की जरूरत थी, उसी जागरूकता के साथ एक और भाव होना चाहिए कि सरकार ने जो निर्माण कार्य कराए हैं तो यह हमारे हैं उसमें कोई टूट- फूट न हो। यह जिम्मेदारी भी जागरूक नागरिक का है। मेरा मानना है इसी भाव के साथ प्रदेश के सभी 403 वार्ड में इसी तरह से काम होने लगे तो सब जागरूक हो जाएंगे। सीएम योगी ने

जेपी नड्डा ने खड़गे पर वोटर लिस्ट को लेकर झूठ फैलाने का आरोप लगाया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की कड़ी आलोचना की। उन्होंने खड़गे पर गृह मंत्री अमित शाह और मतदाता सूची से जुड़ी टिप्पणियों को लेकर झूठ बोलने का आरोप लगाया। नड्डा ने कहा कि शाह ने कभी भी 13.39 करोड़ भारतीयों को घुसपैठिया नहीं कहा। एक पोस्ट में, उन्होंने ड्राफ्ट वोटर लिस्ट पर चुनाव आयोग का पक्ष साफ किया। उन्होंने बताया कि 13.39 करोड़ नाम अंतिम रूप से हटाए गए लोगों की सूची नहीं थी, बल्कि उन्हें अनुपस्थित/ मृत/ डुप्लिकेट कैटेगरी में रखा गया था। इस संख्या में 2.80 करोड़ मृतक, 6.30 करोड़ स्थायी रूप से स्थानांतरित हो चुके लोग, 3.01 करोड़ अनुपस्थित और 1.02 करोड़ डुप्लिकेट नाम शामिल थे।नड्डा ने भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता को रूढ़िवादी इंटेंसिव रिविजनर (एसआईआर) प्रक्रिया से जोड़ने की कोशिशों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि एसआईआर तो 2024 के बाद लागू हुआ, जबकि कांग्रेस गुजरात में 31 साल से चुनाव नहीं जीत पाई है, त्रिपुरा में 33 साल से उसका कोई मुख्यमंत्री नहीं बना है और पश्चिम बंगाल में उसे 54 साल से जीत नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि बिहार, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में वोटरों द्वारा कांग्रेस को नकारना जनता का भरोसा खोने का संकेत है, जिसे गुमराह करने वाले प्रचार और नकारात्मक राजनीति से ठीक नहीं किया जा सकता।

रामलीला तथा दुर्गा पूजा पंडाल का सिटी मजिस्ट्रेट तथा सीओ सिटी ने नगर कोतवाल के साथ किया निरीक्षण



(राजन तिवाड़ी सिटी रिपोर्टर) अयोध्या।गुरुवार को सिटी मजिस्ट्रेट तथा सीओ सिटी श्रेयस त्रिपाठी ने नगर कोतवाल मनोज शर्मा के साथ शहर के विभिन्न रामलीला पंडालों के साथ-साथ दुर्गा पूजा पंडाल का निरीक्षण किया।इस मौके पर इन अधिकारियों ने रामलीला तथा दुर्गा पूजा समिति के पदाधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इनके व्यवस्था और साफ-सफाई दुरुस्त रखने के साथ ही यातायात प्रबंधन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए,ताकि प्रतिमा विसर्जन के दौरान अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न न हो।निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूरी करने के निर्देश दिए गए,जिससे दुर्गा प्रतिमा विसर्जन शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न कराया जा सके।

आईआईटी रक्षा संबंधी जरूरतों के अनुरूप अनुसंधान कर महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं - राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राष्ट्रीय सुरक्षा और तकनीकी क्षमता के बीच बढ़ते संबंधों को रेखांकित करते हुए कहा कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) शैक्षणिक अनुसंधान को रक्षा क्षेत्र की परिचालन संबंधी जरूरतों और उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाकर महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। कल बुधवार को दिल्ली में आईआईटी-कानपुर के 'ग्रेटर देन अस' धनसंग्रह अभियान की शुरुआत के अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने तेजी से बदलते युद्ध परिदृश्य के बीच स्वदेशी प्रौद्योगिकी के विकास और उसके इस्तेमाल में तेजी लाने के लिए सशस्त्र बलों, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), शैक्षणिक संस्थानों, रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और निजी उद्योग के बीच करीबी सहयोग का भी आह्वान किया। राजनाथ सिंह ने कहा कि सरकार की आत्मनिर्भर भारत के लिये प्रतिबद्धता उसके विकसित भारत के दृष्टिकोण के केंद्र में है। इसका उद्देश्य एक ऐसा राष्ट्र बनाना है जो तकनीकी रूप से स्वयं, आर्थिक रूप से प्रतिस्पर्धी, नवोन्मेषी और आत्मविश्वास से भरपूर हो तथा जो केवल ज्ञान और प्रौद्योगिकी का उपभोक्ता न होकर उनके सृजन में भी "सक्रिय योगदानकर्ता" बने। उन्होंने जोर देकर कहा कि स्वदेशी तकनीकी क्षमताओं को मजबूत करना रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वायत्त प्रणालियां, मानवरहित प्लेटफॉर्म, उन्नत सेंसर, साइबर सुरक्षा और अंतरिक्ष आधारित प्रौद्योगिकियां "सैन्य परिदृश्य को बदल रही हैं।

कहा कि लोकप्रिय जनप्रतिनिधि वही है जिसकी एक- एक घर में पहुंच हो। इन 76 प्रवास दिनों में 11 रविवार पर सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिला। सरकार की योजनाओं का लाभ इन दिनों घर- घर पहुंचा। एक जागरूक जनप्रतिनिधि की जिम्मेदारी बनती है इस तरह के कैंप लगाए। यही है सर्वे भवन्तु सुखिन: और इस काम को डॉक्टर नीलकंठ तिवारी कर रहे हैं। मेरा सौभाग्य है कि यह चौथा कार्यक्रम है और मैं सभी में आया हूं। मुख्यमंत्री ने कहा हम कंक्रीट के जंगल तो खड़े कर रहे हैं लेकिन यह हमें शुद्ध वातावरण नहीं दे पाएंगे। इसके लिए पीएम का कार्यक्रम शएक पौधा मां के नाम को आगे बढ़ाएं।

नक्सलवाद का अंत उसके कारण पांच दशक तक झेली गई पीड़ा को मिटा नहीं सकता- गृह मंत्री अमित शाह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि छत्तीसगढ़ में बुनियादी ढांचे और सुविधाओं को बेहतर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार द्वारा बस्तर के पुनर्निर्माण और वामपंथी उग्रवाद के पीड़ितों के पुनर्वास के लिए किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख करते हुए अमित शाह ने कहा कि नक्सलवाद को खत्म करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि पांच दशकों में इसके कारण लोगों को जो पीड़ा झेलनी पड़ी है, उसे दूर करना भी सरकार की जिम्मेदारी है। इसका सबसे अधिक असर क्षेत्र के गरीब आदिवासी समुदायों पर पड़ा है। अमित शाह ने छत्तीसगढ़ में



नक्सलवाद से प्रभावित लोगों को सहायता प्रदान करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पांच से सात अक्टूबर तक जगदलपुर में आयोजित दिव्यांग सहायता कार्यक्रम से 3,600

सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं। अमित शाह ने कहा, "नक्सलवाद का अंत होने का मतलब यह नहीं है कि हम इन पांच दशकों की पीड़ा को मिटा सकते हैं।" उन्होंने कहा कि सरकार को पीड़ितों की जिंदगी और सम्मान दोबारा बहाल करने में मदद करनी चाहिए। उन्होंने इन प्रयासों में केंद्र सरकार की ओर से राज्य सरकार को पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया। नक्सलियों के पुनर्वास और प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए उठाए गए कदमों का उल्लेख करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि लगभग 8,526 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। करीब 7,500 ऐसे लोगों के बैंक खाते खुलवाए गए।

राष्ट्रपति मुर्मु और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय सरस मेले में हिस्सा लिया

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने गुरुवार को विजयवाड़ा के पुनमी घाट पर आयोजित राष्ट्रीय सरस मेला 2026 में हिस्सा लिया। इस मेले का उद्देश्य महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के उत्पादों को बढ़ावा देना और उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना है। राष्ट्रपति और मुख्यमंत्री ने इस मेले का उद्घाटन किया। यह मेला 15 से 31 अक्टूबर तक आयोजित किया जा रहा है। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय और आंध्र प्रदेश सरकार की ओर से संयुक्त रूप से आयोजित 'सेल ऑफ आर्टिकल्स ऑफ रूरल आर्टिजन्स सोसाइटी' (सरस) मेला ग्रामीण कारीगरों और महिला स्वयं सहायता समूहों को अपने उत्पादों का प्रदर्शन करने तथा उनकी बिक्री के लिए मंच उपलब्ध कर राष्ट्रीय स्तर का यह आयोजन अब तक केवल दिल्ली में हुआ था और पहली बार आंध्र प्रदेश में आयोजित किया जा रहा है। इस पहले का उद्देश्य महिलाओं को शहरी उपभोक्ताओं तक सीधे पहुंच उपलब्ध कराकर, बाजार का दायरा बढ़ाकर और उनकी आय में वृद्धि करके ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। इसके साथ ही यह पहले 'वोकल फॉर लोकल' तथा 'आत्मनिर्भर भारत' को बढ़ावा देती है और पैकेजिंग, ब्रांडिंग एवं विपणन के क्षेत्र में महिलाओं की क्षमता बढ़ाने में मदद करती है।



द्वितीय विशाल मां भगवती जागरण का भव्य आयोजन किया गया

ब्यूरो चीफ/ सत्य प्रकाश उपाध्याय
ग्रेटर नोएडा। मां भगवती सेवा समिति के तत्वाधान में द्वितीय विशाल मां भगवती जागरण का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने उत्साह और श्रद्धा के साथ भाग लिया। मां भगवती के जयकारों और भक्ति गीतों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं ने मां भगवती के दरबार में माथा टेककर परिवार की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। जागरण के दौरान भजन-कीर्तन की प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। बड़ी संख्या में लोगों ने मां के दरबार में पहुंचकर दर्शन किए और प्रसाद ग्रहण किया। पुराना हैबतपुर के



मां भगवती सेवा समिति के द्वारा कराए जा रहे इस जागरण कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा, दीपक नागर,पूर्व जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा अनू पंडित मंडल अध्यक्ष बिसरख लोकेश त्यागी,महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष संगीता तिवारी कृष्णा नगर मंडल अध्यक्ष मनीष

तिवारी युवा शक्ति से रुद्र प्रताप सिंह तथा इनके अलावा तमाम गणमान्य लोगों एवं सहयोगकर्ताओं में विभिन्न सामाजिक और धार्मिक क्षेत्र से जुड़े लोगों ने सहभागिता की तथा आयोजन को सफल बनाने में सहयोग दिया। मां भगवती सेवा

समिति की ओर से राजकुमार दुबे (भाजपा मंडल मंत्री बिसरख) नीरज कुमार, संजय कुमार, रामदास, हंसराम, रमन, पिंकू ने सभी श्रद्धालुओं का धन्यवाद करते हुए भविष्य में भी धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों के आयोजन की प्रतिबद्धता जताई।

संपादकीय

इरडा की सर्व-प्रमुख भूमिका

बीमा पॉलिसियों की बिक्री के दौरान कमीशन पर सीमा लगाने का प्रस्ताव सही दिशा में पहल है। शेयर बाजार की अतार्किक प्रतिक्रिया से बिना प्रभावित हुए इरडा को इस सुझाव पर कायम रहना चाहिए।

बीते 24 सितंबर को शेर शूचकांकों में भारी गिरावट आई, तो उस क्रम में भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) के नए परामर्श पत्र पर ध्यान गया। इस पत्र में इरडा ने बीमा पॉलिसी देने, उसके ढांचे, खर्च, और कमीशन में सुधार को सुझाव दिए हैं। इस पर सभी हितधारकों से 25 अक्टूबर तक अपनी राय भेजने को कहा गया है। इसके तहत जीवन बीमा पॉलिसी में पहले साल का कमीशन वितरकों के लिए प्रीमियम का अधिकतम 20 प्रतिशत और एजेंटों के लिए 25 प्रतिशत पर सीमित करने का प्रस्ताव है। यह मौजूदा कमीशन के आधे से भी कम है। गैरतलब है, 2023 में कमीशन संबंधी सीमाएं हटा दी गई थीं। उससे इस कारोबार में असंतुलन पैदा हुआ। गलत ढंग से पॉलिसियों की बिक्री (मिस-सेलिंग) की शिकायतें बढ़ीं। एक आकलन के मुताबिक 2022-23 से 2024-25 के बीच सामान्य बीमा में ब्रोकरों का प्रीमियम 37 फीसदी बढ़ा, पर कमीशन 17.3 फीसदी। जीवन बीमा में कॉरपोरेट एजेंटों का प्रीमियम 28 प्रतिशत बढ़ा, जबकि कमीशन 125 प्रतिशत। इसलिए कहा जाएगा कि इस पर सीमा लगाने का प्रस्ताव सही पहल है। शेर बाजार की अतार्किक प्रतिक्रिया से बिना प्रभावित हुए इरडा को इस पर कायम रहना चाहिए। आम समझ है कि किसी व्यक्ति के लिए सबसे अच्छी बीमा पॉलिसी वह होगी, जो सस्ती और जरूरत के अनुरूप हो। लेकिन हो यह रहा है कि जिस पॉलिसी में एजेंट या बैंक को सबसे ज्यादा कमीशन मिलता हो, वे उसी को बेचने में जोर लगाते हैं। इस क्रम में खरीदारों को भ्रामक फायदे बताए जाते हैं। उपभोक्ताओं की नजर से देखें, तो कमीशन पर सीमा लगने से एक लाभ तो यह होगा कि विक्रेता की दिलचस्पी ऊंचे कमीशन वाले उत्पाद से हटकर से सही उत्पाद की ओर लौट सकती है। पॉलिसी की ऑनलाइन बिक्री में भ्रामक तरीके घट सकते हैं। साथ ही बीमा उपभोक्ताओं में जागरूकता लाने की बड़ी जरूरत भी बनी हुई है, ताकि पॉलिसी लेते समय वे कवर, क्लेम-निपटान अनुपात, शुल्क, और तिन मामलों में कंपनी लाभ देने से इनकार कर सकती है, आदिक, पूरी जानकारी हासिल कर सकें। इसमें इरडा की सर्व-प्रमुख भूमिका है।

सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा, कल्याण और गरिमा हेतु ठोस सुधार

डॉ. वीरेंद्र कुमार

एक साफ-सुथरे एवं स्वस्थ देश की जिम्मेदारी हजारों सफाई कर्मचारियों के कंधों पर है। ये सफाई कर्मचारी अक्सर कठिन एवं जोखिम भरी परिस्थितियों में काम करते हुए हमें हर दिन आवश्यक सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। सार्वजनिक स्वास्थ्य, स्वच्छता और हमारे शहरों व समुदायों के कामकाज में उनका योगदान अमूल्य है। इसलिए उनकी सुरक्षा, कल्याण और गरिमा सुनिश्चित करना महज एक सामाजिक जिम्मेदारी ही नहीं, बल्कि एवम्बेदी और मानवीय समाज के निर्माण का एक जरूरी हिस्सा भी है। इस संदर्भ में कार्यवाही को समझते हुए, केन्द्र सरकार ने श्वेतान एक्शन प्लान मैकेनइज्म से निवेशन इकोसिस्टम (नमस्तो) और श्राष्ट्रीय नेशनल सफाई कर्मचारि वेत एवं विकास निगम (एनएसकेएफडीसी) के वित्तीय सहायता कार्यक्रम के ज़रिए सफाई कर्मचारियों के जीवन एवं उनकी आजीविका की सुरक्षा व कल्याण के कई व्यापक उपाय किए हैं। ये उपाय जोखिम भरी शारीरिक तरीकों से हटकर, स्वच्छता के एक ऐसे सुरक्षित एवं गरिमापूर्ण इकोसिस्टम के माध्यम से जुड़ी श्रमशक्ति को औपचारिक व्यवस्था से जोड़ना और सफाई कर्मचारियों के लिए सुरक्षा उपकरण, पेשהगत प्रशिक्षण, स्वास्थ्य सेवाएं और आजीविका के अवसर सुनिश्चित करना है। यह मशीनों एवं सुरक्षा उपकरणों के उपयोग को भी बढ़ावा देती है ताकि किसी भी कर्मचारी को अन्यायपूर्ण रूप से जोखिम भरी परिस्थितियों का सामना न करना पड़े। इस योजना के तहत 91,000 से अधिक सीवर एवं सेप्टिक टैंक से जुड़े श्रमिकों को जानकारी जुटाई गई है। इनमें से 90,000 से अधिक श्रमिकों की जानकारी सत्यापन किया जा चुका है। जहां 87,000 से अधिक श्रमिकों को नियमितग सुरक्षा उपकरण (पीपीई) किट प्रदान की गई है, वहीं लगभग 7,000 श्रमिकों को स्वास्थ्य-बीमा योजना के दायरे में लाया गया है। जानकारी जुटाने एवं उनके सत्यापन की यह प्रक्रिया इसलिए महत्वपूर्ण क्योंकि इससे श्रमिकों को औपचारिक मान्यता मिलती है और एक ऐसा वातां तैयार होता है जिसके माध्यम से वे सरकारी कल्याणकारी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं। साथ ही, इससे कार्यन्वयन एजेंसियों को उनकी जरूरतों को समझने और पेשהगत सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवा, प्रशिक्षण एवं आजीविका के मामले में उचित कदम उठाने में मदद मिलती है। संस्थागत तथापि ही उत्तनी ही महत्वपूर्ण है। बड़ी नगरपालिकाओं और जिलों स्थापित स्वच्छता से संबंधित आपातकालीन प्रतिक्रिया इकाइयों (ईआरएसप्पू) को 750 से अधिक सुरक्षा उपकरण भेजे गए हैं। ये इकाइयाँ आपातकालीन प्रतिक्रिया व्यवस्था को मजबूत करने और सीवर व सेप्टिक-टैंक की सफाई के काम को सुरक्षित एवं मशीनों के ज़रिए करने में मदद करती हैं। जागरूकता और व्यवहारगत बदलाव की एक पहलू है। देश भर में सीवर और सेप्टिक टैंक की जोखिम भरी सफाई को रोकने हेतु 1,600 से अधिक कार्यशालाएं आयोजित की गई हैं। इन कार्यशालाओं में सफाई के असुरक्षित तरीकों से जुड़े खतरों के बारे में बताने और मशीनों से सुरक्षित सफाई के महत्व पर जोर देने के उद्देश्य से कर्मचारियों, अधिकारियों तथा अन्य हितधारकों को एकजुट किया गया है। जोखिम भरी श्रम से सुरक्षित उद्यम तक स्वच्छता संबंधी कार्यों के रूपांतरण में मशीनीकरण की अहम भूमिका है। जब तकनीकी नये इन कार्यों को सुरक्षित रूप से किया जा सकता है, तो किसी भी कर्मचारी को सीवर या सेप्टिक टैंक में स्वयं उतरने की जरूरत क्यों होगी? इसलिए, केन्द्र सरकार सफाई कर्मचारियों को सफाई से जुड़ी मशीनों का इस्तेमाल तथा संचालन करने में मदद करने हेतु वित्तीय सहायता प्रदान कर रही है। लगभग 1,000 सफाई कर्मचारियों को 37 से अधिक सफाई के वाहन खरीदने हेतु लगभग 35 करोड़ रुपये की प्रतिग्राम पूंजीगत सब्सडी जारी की गई है। यह सहायता महज उपकरणों का प्रदान करने से कहीं बढ़कर है। यह कर्मचारियों को जोखिम भरी काम करने वाली मशीनीकृत सफाई सेवाओं, उद्यमिता और टिकाऊ आय अर्जित करने की दिशा में बढ़ने में मदद कर रही है। इसका व्यापक उद्देश्य सफाई कर्मचारियों को महज कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थी के रूप में नहीं बल्कि कुशल पेशेवरों, सेवा प्रदाताओं और उद्यमियों के रूप में मान्यता देना है। सफाई के वाहनों एवं उपकरणों के मालिक बनने से जहाना की कार्यस्थल पर सुरक्षा बेहतर हो सकती है, वहीं व्यापक वित्तीय आजादी की दीर्घकालिक आर्थिक सुरक्षा के अवसर भी सृजित हो सकते हैं।

पीएम मोदी की सियासत के 25 साल भारतीय राजनीति में स्थापित हुआ मोदी मार्ग

उमेश
सात अक्टूबर 2001 को नरेंद्र मोदी ने जब गुजरात के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी, तब कोई नहीं सोच रहा था कि मोदी एक साल का भी कार्यकाल पूरा कर पाएंगे। राजनीतिक जानकारों और गुजरात के लोगों की इस सोच के पीछे कुछ खास सच है भी नहीं। मोदी के गुजरात का सरदार बनने से पहले के पांच वर्षों में राज्य में एक-एक करके चार मुख्यमंत्री आए और चले गए थे। मोदी राज्य के किसी ताकतवर जाति समुदाय से भी नहीं हैं और सबसे बड़ी बात कि मुख्यमंत्री बनने से पहले उन्होंने कोई चुनाव भी नहीं लड़ा था। हां, पर्दे के पीछे की राजनीति के मंजे हुए खिलाड़ी के तौर पर वे स्थापित थे। इतना ही नहीं, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर राज्यों के बीजेपी प्रभारी के रूप में भी अपनी सियासी समझ का भी वे लोहा मनवा चुके हैं। लेकिन वक्त के साथ, मोदी ने सभी आशंकाओं को ना सिर्फ खारिज कर दिया है, बल्कि चौथाई सदी तक लगातार सत्ता का केंद्र बिंदु रहने वाले वाली शक्तिशाली भी बन चुके हैं। इसके पहले मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के नेता ज्योति बसु के नाम देश में सबसे लंबे समय यानी करीब 23 साल सत्ता संभालने का रिकॉर्ड था। मोदी उस रिकॉर्ड से भी काफी आगे बढ़ चुके हैं। हाल के दिनों में एक वरिष्ठ हिंदी पत्रकार मोदी मार्ग व अवधारणा देकर आलोचनाओं के केंद्र में हैं। मोदी मार्ग की चर्चा हो रही है। वामपंथी तो सांड की तरह भड़क रहे हैं, वे समाजवादी भी वरिष्ठ पत्रकारों के आलोचक हो गए हैं, जो कम्युनिस्टों के सहयोगी रहे या वे उनका साथी रहे। बेशक मोदी मार्ग की इस अवधारणा को रही है, लेकिन आने वाले दिनों में जब नरेंद्र मोदी का अपना और उनके दौर के भारत का इतिहास लिखा जाएगा, निश्चित तौर पर मोदी मार्ग या मोदीत्व ही अवधारणा को भी स्वीकार किया जाएगा। किसी शक्तिशाली के जरिए शुरु पंथ या वैचारिक धारा को उसका जीवन काल में सर्व मान्यता और स्वीकार्यता कम ही मिल पाती है। लेकिन जब वही शक्तिशाली इतिहास की धारा में विलीन हो जाती है, तब उसकी दिखाई राहों को पंथ व दर्जा मिलने लगता है। गांधी बेशक अपनी जिंदगी में ही महात्मा के रूप में स्थापित हो चुके थे, लेकिन उनका कई प्रयोगों की उसी तरह आलोचना होती रही, जैसे आज मोदी के वैचारिक विरोधी उनके तमाम कदमों की आलोचनाओं में लीन रहते हैं। वैसे ही लोकतांत्रिक दौर के भारतीय समाज की एक धारा रही है। शुरु में वाम पदधारकों का शुरु में स्वागत करता है, बाद में उसका विरोधी हो जाता है। लेकिन वही शक्तिशाली इतिहास में समाहित हो जाती है।

भारत को इस फैसले ने मचाया चीन पाकिस्तान में तांडव,देखती रह गई दुनिया

अभिनय
भारत अब चीन पाकिस्तान की
नकल कस रहा है। इस बार सिर्फ
सीमा पर नहीं बल्कि समुद्र मिसाइल
और वैश्विक व्यापार तीनों मोर्चों पर
एक ऐसा खेल शुरू हो चुका है



जिसकी गूंज बीजिंग से लेकर इस्लामाबाद तक साफ सुनाई दे रही है। भारतीय सीमाओं पर अगले तीन साल में सुझा व्यवस्था मजबूत करने के लिए बड़े स्तर पर तैयारियों की जा रही है। वहीं, चीन और पाकिस्तान से जंगली सीमाओं पर अब जमीन के नीचे सैन्य अड्डे बनाने की तैयारी है। भारतीय सेना चीन (लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल) और पाकिस्तान (लाइन ऑफ कंट्रोल) के साथ अपनी संवेदनशील सीमाओं पर जमीन के नीचे बने शेल्टर, गहरी सुरंगों और

न्यायालय का कड़ा कदम

नित्य चक्रवर्ती
वोटर गाइड देखें मौजूदा नियमों के अनुसार, वर्तमान सीईसी को उनके कार्यकाल के दौरान किए गए किसी भी काम के लिए कानून का संरक्षण प्राप्त है। सरकार उन्हें बर्खास्त नहीं कर सकती। संसद द्वारा उन पर महाभियोग चलाया जा सकता है, लेकिन भाजपा और उसके सहयोगियों के पास भारी बहुमत होने के कारण अभी यह व्यावहारिक नहीं है। विपक्ष शायद दूसरी बार महाभियोग की कोशिश न करे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस बात को लेकर बड़ी उलझन में हैं कि मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की विपक्ष की मांग से कैसे निपटा जाए। मौजूदा हालात अस्थिर हैं और मामला सीईसी को हटाने की मांग से आगे बढ़कर गृहमंत्री अमित शाह के इस्तीफे तक भी जा सकता है, जो दिल्ली में अघोषित लोकेडाउन लगाने और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों को दबाने के फैसलों के पीछे मुख्य व्यक्ति रहे हैं। आइए सबसे पहले चुनाव आयोग की बात करें। सीईसी ज्ञानेश कुमार 26 जनवरी, 2021 को रिटायर करने वाले हैं, जो अप्रैल 2029 में होने वाले आगले लोकसभा चुनावों की प्रक्रिया शुरू होने से ठीक दो महीने पहले का समय है। मौजूदा दो चुनाव आयुक्तों में से सबसे वरिष्ठ डॉ. सुखबीर सिंह संधू 5 जुलाई, 2028 को रिटायर होंगे। दूसरे, डॉ. विवेक जोशी, 1 फरवरी, 2031 को रिटायर होंगे। इसलिए, अप्रैल 2029 में आगले लोकसभा चुनावों के समय, मौजूदा तीन सदस्यीय ईसी में से केवल डॉ. विवेक जोशी ही बचे रहेंगे। सरकार को जुलाई 2028 के बाद एक नया चुनाव आयुक्त नियुक्त करना होगा। मौजूदा नियमों के अनुसार वर्तमान सीईसी को उनके कार्यकाल के दौरान किए गए किसी भी काम के लिए कानून का संरक्षण प्राप्त है। सरकार उन्हें बर्खास्त नहीं कर सकती। संसद द्वारा उन पर महाभियोग चलाया जा सकता है, लेकिन भाजपा और उसके सहयोगियों के पास भारी बहुमत होने के कारण अभी यह व्यावहारिक नहीं है। विपक्ष शायद दूसरी बार महाभियोग की कोशिश न करे। मोदी सरकार को पास उनके कार्यकाल के पूरा होने से पहले उनसे छुटकारा पाने का एकमात्र तरीका यही है कि उनसे खुद इस्तीफा देने के लिए कहा जाए। ज्ञानेश कुमार को मोदी-भाजपा माना जाता है। केरल सरकार के सचिव रहते हुए उन्होंने मोदी और भाजपा के लिए काम किया है। अगर हालात की मांग हुई तो वह प्रधानमंत्री की बात मान सकते हैं। ज्ञानेश कुमार, जिन्हें शटाफ मारकर माना जाता है, भाजपा में शामिल

कुछ अपवादों को छोड़ समाज उसका घोर प्रशंसक हो जाता है। बीजेपी की ही राजनीति का उदाहरण इस संदर्भ में ले सकते हैं। एक दल में बीजेपी विरोधियों की नजर में अटल उदार थे, जबकि आडवाणी कट्टर। लिहाजा आडवाणी लगातार विरोधियों के निशाने पर रहे। लेकिन जैसे ही अटल युग की समाप्ति हुई और मोदी युग की ओर बीजेपी बढ़ चली, आडवाणी उन्हीं विरोधियों की नजर में आदर के पात्र होते गए और मोदी के कटु आलोचकों की संख्या बढ़ती गई। कुछ इसी अंदाज में कह सकते हैं कि आने वाले दिनों में भारतीय जनता पार्टी की राजनीति में कोई अन्य नेता उभरा तो हो सकता है कि मोदी बीजेपी विरोधियों की नजर में ही प्रशंसा का पात्र बन जाएँ और बीजेपी का भावी नेता आडवाणी और मोदी की तरह आलोचनाओं के केंद्र में आ जाए। सत्ता की राजनीति में मोदी की यात्रा पर निगाह डालते तो उनकी सबसे बड़ी चुनौती खुद की स्वीकार्यता बढ़ाना रही। जिस तरह चौधौरी सदी से वे सत्ता के केंद्र में हैं, उससे देख कह सकते हैं कि इसमें वे कामयाब रहे हैं। इतना ही नहीं, वे सबसे ज्यादा समय तक सत्ता को खुद के इर्द-गिर्द केंद्रीकृत करने में भी सफल रहे हैं। आज भारत की केंद्रीय सत्ता ही नहीं, भारतीय जनता पार्टी का संगठन भी उन्हीं के इर्द-गिर्द केंद्रित है और उन्हीं से शक्ति ग्रहण करता है। यह मोदी का दुर्भाग्य

रहा कि उनके गुजरात की सत्ता संभालने के महज छह महीने बाद ही राज्य को गोधरा कांड के चलते भयानक संप्रदायिक दंगों का सामना करना पड़ा। गुजरात सरकार की रिपोर्ट अनुसार इन दंगों में 1044 लोगों मारे गए, जबकि 2548 लोग घायल हुए थे। इसके अलावा 223 लोग लापता बताए गए। दंगों के सात साल बीत



के बाद सरकार के ही अनुसार, लापता लोगों की संख्या कुछ बढ़ गई। इन दंगों के बाद नरेंद्र मोदी विशेषकर कांग्रेस और वामपंथी दलों के निशाने पर आए। देश के वामपंथी लोग प्रभावित स्वयंसेवी संगठनों ने उन खिलाफ राष्ट्रीय स्तर पर मोर्चा खोल दिया। एक तरह से मोदी व राजनीतिक घृणा का पात्र बनाने का कोशिश की गई। उनके चरित्र हम

तक की कोशिशें हुई। गुजरात दंगों के साथ ही इशरत जहां मुठभेड़ का

जबरदस्त हमले के लिए खुला छोड़ने के बजाय, यह तरीका यह पक्का करता है कि लड़ाई के लिए जरूरी अहम साधन सुरक्षित रहें। इस युद्ध-क्षमता को सुरक्षित रखने से जमीनी टुकड़ियों को दुश्मन के भारी हमलों की शुरुआती लहर से बचने, उस झटके को सहने और तुरंत निर्णायक जवाबी हमला करने की क्षमता बनाए रखने में मदद मिलती है। सेना की नॉर्दन कमांड, जो जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की देखरेख करती है, ने अपने इलाकों में सुरक्षित अंडरग्राउंड (जमीन के नीचे) सुविधाएं बनाने के लिए 19 अलग-अलग प्रोजेक्ट शुरू किए हैं। हर साइट को वहां की जमीन की स्थिति और उसके काम के हिसाब से डिजाइन किया जाएगा। नॉर्दन कमांड के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने 9 अक्टूबर को सोसाइटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैनेयूस्क्रिप्टर्स के सालाना सेशन में इस प्लान के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि इन प्रोजेक्ट्स के लिए खरीद की प्रक्रिया पारदर्शी और सभी के लिए निष्पक्ष होगी। उन्होंने यह भी कहा कि सेना चाहती है कि जयादा से जयादा कंपनियाँ इसमें हिस्सा लें, जिनमें माइक्रो, स्मॉल

और विपक्ष का दबाव हो सकते हैं इस्तीफे का कारण

करते हैं और मंत्री भी बन सकते हैं। लेकिन यह इस्तीफा दो बातों पर निर्भर करता है। पहली बात, सर्वोच्च न्यायालय ने चुनाव आयोग और उसके तीनों सदस्यों को ओटिस भेजकर पूछा है कि क्या फैसले सर्वसम्मति से लिए गए थे। अगर नहीं, तो सर्वोच्च न्यायालय उन्हें रह कर सकता है। अब सवाल यह है कि श्रद्धिमान एक्सप्रेसघ की खबर की सच्चाई जानने के लिए सर्वोच्च न्यायालय दोनों चुनाव आयुक्तों से आमने-सामने बात करने में कितना आगे जाएगा। अगर सर्वोच्च न्यायालय सिर्फ चुनाव आयोग के आधिकारिक जवाब को मान लेता है, तो इसका एक ही ख़ास मतलब नहीं होगा, क्योंकि सीईसी बाकी दोनों पर दबाव डालकर संयुक्त बयान जारी करवा सकते हैं कि सभी फैसले सर्वसम्मति से लिए गए थे। इसके अलावा, सर्वोच्च न्यायालय को बदले हुए शर्फ़ी 6य के मामले पर भी सख्ती से कार्रवाई करनी होगी, जिसे अदालत ने मंजूरी नहीं दी थी, जबकि सीईसी ने दावा किया था कि उन्हें अदालत की मंजूरी मिल गई थी। सर्वोच्च न्यायालय निश्चित रूप से सीईसी पर झूठ बोलने और अदालत के विचारों को गलत तरीके से पेश करने का आरोप लगा सकता है। सवाल यह है कि क्या सर्वोच्च न्यायालय कानूनों का पालन करने में नैतिक और वारिस्ति विफलता के लिए ज्ञानेश कुमार खिलाफ कड़ी टिप्पणी करेगा। सर्वोच्च न्यायालय को सीईसी को हटाने का आदेश देने का अधिकार नहीं है। लेकिन न्यायालय निश्चित रूप से सीईसी पर अपने संवैधानिक कर्तव्य का पालन करने में घोर विफलता का आरोप लग सकता है। तब इसका मतलब होगा कि नैतिक रूप से ज्ञानेश कुमार सीईसी बने रहने का अपना अधिकार खो देंगे। मौजूदा सीईसी के खिलाफ एक और बात है। केरल विधानसभा ने ज्ञानेश कुमार को सीईसी पद से हटाने के समर्थन में एक प्रस्ताव पारित किया है। देश में किसी विधानसभा का यह पहला ऐसा कदम है। साथ ही, केरल सरकार ने ज्ञानेश कुमार से जुड़े एक पुराना मामला फिर से खोल दिया है, जिसमें उन पर केरल सरकार के लिए अधिकारी का आर्थिक आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगा था। अगर इस मामले में आगे कार्रवाई होती है और ज्ञानेश कुमार के खिलाफ फैसला आता है, तो उनका लागू किया जा सकता है क्योंकि उनका मामला सीईसी को उनके मौजूदा कार्यकाल के दौरान मिलने वाला सुझा के दायरे से बाहर है। अतः सवाल यह उठता है कि प्रधानमंत्री सीईसी को बचाने का जोखिम क्यों उठा रहे हैं, जबकि उन्हें कानूनी

को लेकर उनके खिलाफ सीबीआई जांच हुई। सीबीआई के समक्ष बतौर मुख्यमंत्री पूछताछ के लिए उन्हें कभी बार घंटों तक उपस्थिति जलानी पड़ी और बतौर मुख्यमंत्री उन्हें घंटों तक सीबीआई के अच्छे-बुरे सवालों का सामना करना पड़ा। गुजरात दंगों के आम के चलते एक दिन में उन्हें अमेरिका ने वीजा देने से इनकार कर डूट जाती हैं, मोदी की ना सिर्फ कानून आलोचना हुई या हो रही है, उसने सार्वजनिक मंथों से घटिया, असली लालच और फुहड़ गालियाँ दी जा रही हैं और भी मैं उन्हें चरित्र हनन की सीमाएँ तो तब बनाना करने की कोशिशें हुई हैं लेकिन मोदी रुके नहीं। कमी पर्व वे पीछे से राजनीति करने वाले मोदी लगातर आगे बढ़ते रहे। गुजरात



दिता। इस बिंदु पर देखें तो मोदी का जीवत व्यक्तित्व उभरता है। कह सकते हैं कि तारकान और आलोचनाओं से वे ताकत ग्रहण करते हैं। कुछ-कुछ मिथकीय पात्र बालि की तरह। जिस तरह बालि के सामने आए उसके विरोधियों की अधी ताकत बालि में ही समाहित हो जाती थी, मोदी कुछ उसी तरह विरोधियों की आलोचनाओं से ताकत ग्रहण करते हैं और अपनी राह बनाते रहते हैं। तीखे और अपमानजनक विरोधों से जीवत से जीवत वाली शख्सियतें साल में चार मुख्यमंत्री आए और गए। उसी राज्य में मोदी ने साढ़े बारह साल से अधिक वक्त तक सत्ता संभालने का रिकॉर्ड बनाया। 2012 के विधानसभा चुनाव के दौरान उनकी ख्याति राज्य से बाहर की सीमाओं तक फैलने लगी। बने चुकी थी या बना रही थी। इसका ही नतीजा रहा कि 2012 के गुजरात विधानसभा चुनावों के वक्त राष्ट्रीय मीडिया के एक हिस्से ने मोदी का भावी प्रधानमंत्री के रूप में स्वीकार कर लिया।

उत्ते अपने हथियारों को सुरक्षित रखने में मदद की थी। सिलीगुड़ी कॉरिडोर की सुरक्षा के लिए पूर्व में भी इसी तरह की कोशिशें चल रही हैं। पश्चिम बंगाल में जमीन की इस संकरी पट्टी को अक्सर विकन नके कहा जाता है। यह अपनी सबसे संकरी जगह पर सिर्फ 20 से 22 किलोमीटर चौड़ी है। यह भारत के बाकी हिस्सों और पूर्वोत्तर राज्यों के बीच जमीन का मुख्य संपर्क मार्ग है, जो इसे देश के सबसे संवेदनशील इलाकों में से एक बनाता है। यहाँ बनाई जा रही जमीन के नीचे की सुविधाओं का इस्तेमाल कमांड और कंट्रोल, लॉजिस्टिक्स और सुरक्षित स्टोरेज के लिए किया जा सकता है। इससे सेना को इस इलाके में अहम ऑपरेशन जारी रखने में मदद मिलेगी, भले ही उस पर हमला हो जाए। यह कदम सैन्य सोच में एक बड़े बदलाव को दिखाता है। आज सेनाएँ न सिर्फ हमले पर, बल्कि बचाव और सुरक्षा पर भी ध्यान देती हैं। जमीन के नीचे अच्छी तरह से बनाए गए ठिकाने दुश्मन की गोलाबारी से जोखिम कम कर सकते हैं, लड़ने की क्षमता को सुरक्षित रख सकते हैं और सैनिकों को लंबे समय तक डटे रहने में मदद कर सकते हैं। भारत की सीमाएँ उत्तर और पूर्व दोनों तरफ लंबी और मुश्किल हैं।

भारत पर इसके नतीजों का पता है। साथ ही, सीईसी ज्ञानेश कुमार के तहत चुनाव आयोग पर वोट चोरी के आरोपों और सीईसी को हटाने की मांग पर छात्रों, बुद्धिजीवियों और सितिविल सोसायटी के लोगों की भारी प्रतिक्रिया से विपक्ष को जो फायदा मिल रहा है, उसे भी वे जानते हैं।



वजह साफ है, नरेंद्र मोदी और अमित शाह को ईसी में अपनी तरफ से काम करने और आने वाले चुनावों (जो 2029 के मध्य में आने चुनावों के साथ खत्म होंगे) में राज्यों में भाजपा को जिताने में मदद के लिए ज्ञानेश कुमार की जरूरत है। हालांकि ज्ञानेश कुमार 26 जनवरी 2029 को रिटायर हो जाएंगे, लेकिन उम्मीद है कि वे चुनाव आयोग के कामकाज को इस तरह से ढाल देंगे कि नये सीईसी, जो पद संभालेंगे, चाहकर भी उस स्थिति में ज्यादा बदलाव

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव हैं भाजपा उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव हारने का जोखिम नहीं उठा सकती जैसा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में हुआ था, जब पार्टी को सिर्फ 3 सीटें मिली थीं जबकि दृष्टिया ब्लॉक को 43 सीटें मिली थीं। अगर सीईसी के कहने पर कुछ चुनिंदा निर्वाचक क्षेत्रों में चुनाव अधिकारी थोड़ी मदद कर दें, तो उत्तर प्रदेश भाजपा को चुनावी तौर पर बड़ा फायदा हो सकता है, जिसकी उसे सख्त जरूरत है।

हूट जाती हैं, मोदी की ना सिर्फ काले आलोकना हुई या हो रही है, उन सार्वजनिक मंचों से घटिया, अश्लील और फूहड़ गालियां दी जा रही हैं। अतीत में उन्हें चरित्र हनन की सीमा तक बदनाम करने की कोशिशें हुईं लेकिन मोदी रूके नहीं। कभी पद व शक्ति के राजनेता होने के बावजूद लगातार आगे बढ़ते रहे। गुजरात में जब चीजें पटरी पर आनी शुरू हुईं तब उन्होंने राज्य के विकास को लेकर अपना मॉडल पेश किया। जिसके कालांतर में देश ने उसे 'गुजरात मॉडल' का नाम से जाना। 'गुजरात मॉडल' का विकास और इस विकास की गति को बनाए रखने के लिए प्रवासियों और निवेशकर्ताओं को लुभाने के लिए उन्होंने 'वायुवेत गुजरात' नाम से आयेजेंट 'चुकी क्रेट' जिसे देखते ही देखते राज्य की जनता ने तो अपनाया ही, प्रवासियों ने भी हाथोंहाथ लिया। इसी का असर रहा कि जिस राज्य में महंग पांव चलने लगे उसी राज्य में मोदी ने साढ़े बारह साल से अधिक वक्त तक सत्ता संभाल कर सिकोड़ बनाया। 2012 के विधानसभा चुनाव के दौरान उनकी ख्याति राज्य से बाहर की सीमाओं तक फैल चुकी थी या बना रही थी। इसका ही नतीजा रहा कि 2012 के गुजरात विधानसभा चुनावों के वक्त राष्ट्रीय मीडिया के एक हिस्से ने मोदी का भीड़ा प्रधानमंत्री के रूप में स्वीकार कर लिया।

जमीन के नीचे बने शेल्टर का याने नया नेटवर्क भविष्य के किसी भी संघर्ष में सेना को सुरक्षित और तैयार रखने में अहम भूमिका निभा सकता है। जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती इलाकों में पिछले आठ वर्षों के दौरान नागरिकों की सुरक्षा के लिए करीब 10,000 बंकर बनाए गए हैं। सुरक्षित बनाने के अगले तीन वर्षों में 5,000 और बंकर बनाने की योजना तैयार की है। इसकी प्रक्रिया शुद्ध हो गई है। आधुनिक युद्ध में सैन्य ठिकानों को बचाए रखना दुश्मन पर हमला करने जितना ही जरूरी है। अग्रिम मोर्चों के पास सुरक्षित रसद भंडार होना से लंबी लड़ाई में सेना का आपूर्ति और जवाबी कार्रवाई की क्षमता भी बनी रहेगी। इससे दुश्मन के लिए एक ही हमले में भारत की सैन्य क्षमता को नुकसान पहुंचाना मुश्किल होगा। हालांकि, हिमालय में निर्माण की ऊंची लागत, भौगोलिक चुनौतियाँ और भारी उपकरणों की दुलाई बढ़ाए सुरक्षित हैं। चीन के इलाकों में पड़ोसी जमीन अपेक्षाकृत समतल होने से उसने निर्माण में बहुत मिलती है। भारत को प्रीफैब्रिकेटेड स्टील बंकरों जैसी आधुनिक तकनीकों पर ध्यान देना होगा, ताकि दुर्गम इलाकों में भी सशक्त हमलों में मजबूत और सुरक्षित ठिकाने तैयार किए जा सकें।

नहीं कर पाएंगे। प्रधानमंत्री फिर डे विवेक जोशी को सीईसी के तौर पर प्रोन्नत कर सकते हैं या ज्ञानेश कुमार के रिटायर होने के बाद किसी नए भरोसेमंद नौकरशाह को नया सीईसी नियुक्त किया जा सकता है। भाजप के शीर्ष नेतृत्व के लिए, तुरंत प्राथमिकता मार्च 2027 में होने

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव हैं।
भाजपा उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव
हारने का जोखिम नहीं उठा सकती है।
जैसे कि 2024 के लोकसभा चुनाव
में हुआ था, जब पार्टी को सिर्फ 3
सीटें मिली थीं जबकि इंडिया ब्लॉक
को 43 सीटें मिली थीं। अगर सीईस
के करने पर कुछ चुनिंदा निर्वाचन
क्षेत्रों में चुनाव अधिकारी थोड़ी
मदद कर दें, तो उत्तर प्रदेश
भाजपा को चुनावी तौर पर बड़ा फायदा
हो सकता है, जिसकी उसे सख्त
जरूरत है।

देश की उपासना

श्रीराम का जीवन सत्य, अनुशासन और त्याग की देता है प्रेरणा – प्रो. आरके सिंह रामोत्सव–2026 में विद्यार्थियों ने भजन, नृत्य और काव्य पाठ से दिया सांस्कृतिक मूल्यों का संदेश



ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरके सिंह ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का जीवन सत्य, अनुशासन, त्याग, कर्तव्यनिष्ठा और विनम्रता की प्रेरणा देता है। विद्यार्थियों को उनके आदर्शों को अपने व्यवहार, अध्ययन और सामाजिक जीवन में उतारना चाहिए। युवा अपनी व्यक्तिगत सफलता के साथ समाज और राष्ट्र के विकास में भी योगदान दें। कुलपति गुरुवार को विश्वविद्यालय के मानव संसाधन

विद्यार्थियों ने खुद तैयार किए ड्रोन को उड़ाकर किया सफल परीक्षाण ‘स्वरान’ बूटकैप के चौथे दिन ड्रोन तकनीक और उसके उपयोग की दी गई जानकारी



ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। यूपी के जौनपुर में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सी–डैक, नोएडा के सहयोग से आयोजित पांच दिवसीय ‘स्वयान’ बूटकैप के चौथे दिन गुरुवार को विद्यार्थियों ने स्वयं तैयार किए गए ड्रोन को एकलव्य स्टेडियम में उड़ाकर उसका सफल परीक्षण किया। इस

शीतला चौकियां धाम में स्कंदमाता के दर्शन को उमड़े श्रद्धालु, चार घंटे में छह हजार ने टेका माथा



ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर स्थित मां शीतला चौकियां धाम में शारदीय नवरात्र के पांचवें दिन गुरुवार को मां दुर्गा के पांचवें स्वरूप स्कंदमाता की पूजा–अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। सुबह चार बजे मंदिर

अजय राय हत्याकांड में गवाही के लिए अदालत पहुंचे संजय राय, 23 अक्टूबर को अगली सुनवाई



ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। लालगंज के ब्लॉक प्रमुख अजय राय हत्याकांड में बुधवार को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे)–6 की अदालत में गवाही हुई।

छात्र उद्देश्य सिंह ने ‘राम की शक्ति पूजा’ के माध्यम से श्रीराम के संघर्ष, धैर्य और कर्तव्यनिष्ठा को रेखांकित किया। सुमित ने कविता पाठ किया और दिव्यांशु सिंह ने रामोत्सव के महत्व पर विचार व्यक्त किए। शिक्षक अनुपम कुमार ने भजन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए एचआरडी विभागाध्यक्ष डॉ. रसिकेश ने श्रीराम और रावण के चरित्र के विभिन्न पहलुओं का उल्लेख किया। उन्होंने विद्यार्थियों से नैतिकता, संयम, कर्तव्यनिष्ठा और सदाचार जैसे जीवन मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में सकारात्मक ऊर्जा का संसार करने के साथ भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों के प्रति उनकी समझ को मजबूत करते हैं। इस अवसर पर आगामी राष्ट्रीय स्कैटिंग प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने जा रहे छात्र विनय अग्रहरी को अंगवस्त्र भेंटकर शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम का संचालन प्रियांगी सिंह और पारुल श्रीवास्तव ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. रसिकेश ने किया।

ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। प्रतिबंधित कीलर मांडे से होने वाली दर्दनाक घटनाओं पर अंकुश लगाने और लोगों की जान बचाने के उद्देश्य से जौनपुर के अडिा वक्ता विकास तिवारी द्वारा स्कूल–स्कूल जाकर जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी एचआरडी विभागाध्यक्ष डॉ. रसिकेश ने गुरुवार को उन्होंने राममूर्ति इंटर कालेज, गोपालपुर गजना, विकास खण्ड धर्मापुर, जौनपुर पहुंचकर बच्चों को सुरक्षित पतंगबाजी के प्रति जागरूक किया और उन्हें प्रतिबंधित मांडे का इस्तेमाल न करने का संकल्प दिलाया।

अभियान के दौरान बच्चों ने संकल्प लिया कि वे पतंग उड़ाने के लिए केवल सूती धागे का प्रयोग करेंगे। यदि उन्हें अपने आसपास या बाजार में कोई दुकानदार प्रतिबंधिात मांडा बेचता दिखाई देगा, तो वे अपने माता–पिता के माध्यम से शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम का संचालन प्रियांगी सिंह और पारुल श्रीवास्तव ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. रसिकेश ने किया।

फसलों में रोगों की पहचान और पोषों के स्वास्थ्य की निगरानी में विभिन्न तरंगदैर्घ्य के उपयोग की जानकारी दी। इसके बाद परियोजना अभियंता ईशा गुप्ता ने ड्रोन के विभिन्न अनुप्रयोगों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि ड्रोन तकनीक का उपयोग कृषि, पर्यावरण संरक्षण, आपदा प्रबंधन और सर्वेक्षण सहित कई क्षेत्रों में किया जा रहा है। बूटकैप के दौरान विद्यार्थियों ने अपने हाथों से तैयार किए गए ड्रोन को उड़ाकर व्यावहारिक प्रशिक्षण का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने विद्यार्थियों के नवाचार की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण विद्यार्थियों में तकनीकी कौशल और आत्मविश्वास बढ़ता है तथा उन्हें अनुसंधान के लिए प्रोत्साहन मिलता है। कार्यक्रम का संचालन इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी विभाग के सहयोग से सी–डैक, नोएडा द्वारा किया जा रहा है। इसके सफल आयोजन में विश्वविद्यालय के शिक्षकों और तकनीकी दल ने सहयोग किया।

श्रीराम के आदर्शों को जीवन में उतारने का संदेश

सवार और चार भुजाओं वाली मां स्कंदमाता की पूजा से सुख–समृद्धि, आरोग्य और ज्ञान की प्राप्ति होती है। सुबह मंदिर के कपाट खुलने के बाद पुजारी चंद्रदेव पंडा ने माता रानी का श्रृंगार कर विधि–विधान से पूजन और आरती की। दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। हवन, मंत्रोच्चार और माता रानी के जयकारों से धाम का वातावरण भक्तिमय बना रहा। मां शीतला के दर्शन के बाद श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर स्थित पवित्र कुंड के समीप बाबा काल भैरवनाथ और मां काली मंदिर में भी पूजा–अर्चना की। श्रद्धालुओं की सुख्या और व्यवस्था बनाए रखने के लिए चौकियां पुलिस चौकी प्रभारी राम प्रकाश पुलिसकर्मियों के साथ मुस्तैद रहे।

में केशव पुर रेलवे क्रॉसिंग के पास 2. 11.203 को सुबह 8 बजे गोली मारकर कर दी गई थी। इस हत्याकांड ने पूर्वांचल में सनसनी फैला दी थी। मामले में पूर्वांचल के माफिया ध्रुव सिंह, अखंड प्रताप सिंह, भूपेंद्र सिंह उर्फ मुन्ना और अनिल यादव के नाम आरोपितों के रूप में सामने आए थे। मामले की सुनवाई के दौरान संजय राय पुलिस सुख्या के बीच अदालत पहुंचे। न्यायालय में गवाही की प्रक्रिया के बाद अगली सुनवाई के लिए 23 अक्टूबर की तारीख तय की गई।इस दौरान वरिष्ठ अधिातका अयोधेश सिंह,राजेश सिंह ,राकेश सिंह,संजय कुमार सिंह उपस्थित रहे।

राजधानी/जौनपुर

स्कूलों में पहुंचकर बच्चों को जागरूक कर रहे अधिवक्ता विकास तिवारी

जौनपुर से वाराणसी और गोरखपुर तक प्रतिबंधित मांडे का कहर, लोगों की जान बचाने के लिए स्कूल–स्कूल चल रहा जनजागरूकता अभियान ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। प्रतिबंधित कीलर मांडे से होने वाली दर्दनाक घटनाओं पर अंकुश लगाने और लोगों की जान बचाने के उद्देश्य से जौनपुर के अडिा वक्ता विकास तिवारी द्वारा स्कूल–स्कूल जाकर जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी एचआरडी विभागाध्यक्ष डॉ. रसिकेश ने गुरुवार को उन्होंने राममूर्ति इंटर कालेज, गोपालपुर गजना, विकास खण्ड धर्मापुर, जौनपुर पहुंचकर बच्चों को सुरक्षित पतंगबाजी के प्रति जागरूक किया और उन्हें प्रतिबंधित मांडे का इस्तेमाल न करने का संकल्प दिलाया।

अभियान के दौरान बच्चों ने संकल्प लिया कि वे पतंग उड़ाने के लिए केवल सूती धागे का प्रयोग करेंगे। यदि उन्हें अपने आसपास या बाजार में कोई दुकानदार प्रतिबंधिात मांडा बेचता दिखाई देगा, तो वे अपने माता–पिता के माध्यम से शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम का संचालन प्रियांगी सिंह और पारुल श्रीवास्तव ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. रसिकेश ने किया।

मिशन शक्ति 6.0 के तहत साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करेगी पुलिस की वैन महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने के लिए किया जाएगा प्रेरित



ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने और लोगों को डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए पुलिस ने मिशन शक्ति अभियान 6.0 के तहत विशेष पहल की है। गुरुवार को रिजर्व पुलिस लाइन स्थित सभागार से मोबाइल प्रदर्शनी एवं जन–जागरूकता वैन को अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आतिश कुमार सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आतिश कुमार सिंह ने बताया कि जागरूकता वैन जिले के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों को साइबर अपराधों से बचाव के

दिव्य प्रकाश की तूफानी पारी से जौनपुर पैयर्स बना चौपियन बदलापुर ब्लेजर्स को दो विकेट से हराया दिव्य प्रकाश मैन ऑफ द सीरीज और आकाश तिवारी मैन ऑफ द मैच



ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के एकलव्य स्टेडियम में आयोजित जौनपुर प्रीमियर लीग (जेपीएल) टी–20 क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में बुधवार को जौनपुर पैयर्स ने बदलापुर ब्लेजर्स को दो विकेट से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। दिव्य प्रकाश को मैन ऑफ द सीरीज और जौनपुर पैयर्स के आकाश तिवारी को मैन ऑफ द

श्रीराम के आदर्शों को जीवन में उतारने का संदेश

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्याल के मानव संसाधन विकास (एचआरडी) विभाग द्वारा गुरुवार को विश्वविद्यालय के मुक्तगंगन परिसर स्थित मंदिर प्रांगण में ‘रामोत्सव’ का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने भजन–कीर्तन, नृत्य प्रस्तुति, श्री हनुमान अर्चनल यादव के नाम आरोपितों के रूप में सामने आए थे। मामले की सुनवाई के दौरान संजय राय पुलिस सुख्या के बीच अदालत पहुंचे। न्यायालय में गवाही की प्रक्रिया के बाद अगली सुनवाई के लिए 23 अक्टूबर की तारीख तय की गई।इस दौरान वरिष्ठ अधिातका अयोधेश सिंह,राजेश सिंह ,राकेश सिंह,संजय कुमार सिंह उपस्थित रहे।



ने प्रतिबंधित मांडे की बिक्री और इस्तेमाल पर प्रभावी रोक लगाने की आवश्यकता को रेखांकित किया है। अधिवक्ता विकास तिवारी का कहना है कि प्रतिबंधित मांडे के खिलाफ केवल सरकारी आदेशों और प्रशासनिक कार्रवाई के भरोसे बैठना पर्याप्त नहीं है। इसके लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। इसी उद्देश्य से वह लगातार विद्यालयों में पहुंचकर बच्चों को जागरूक कर रहे हैं, ताकि बच्चे अपने परिवारों और समाज तक

सीडीओ ने स्वयं सहायता समूह के उत्पादों का किया निरीक्षण, ब्रांडिंग और ऑनलाइन मार्केटिंग पर जोर

ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। मुख्य विकास अधिकारी नरेंद्र कुमार सिंह ने बक्सा ब्लॉक के नरी गांव स्थित जनकल्याण आजीविका स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) द्वारा तैयार किए जा रहे विभिन्न उत्पादों का गुरुवार को निरीक्षण किया। उन्होंने समूह के कार्यों की सराहना करते हुए इसे और अधिक सक्षम तरीके बताएगी। अभियान का विशेष जोर महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के प्रति जागरूक करने तथा ऑनलाइन ंगोखाघड़ी से बचने के उपायों की जानकारी देने पर रहेगा। उन्होंने बताया कि डिजिटल लेन–देन के बढ़ते चलन के बीच साइबर अपराधों फर्जी कॉल, संदेश और संदिग्ध लिंक के जरिए लोगों को ठगी का शिकार बनाते हैं। जागरूकता अभियान के माध्यम से लोगों को ऐसे तरीकों की पहचान करने, अनजान लिंक से बचने और ऑनलाइन लेन–देन के दौरान सतर्कता बरतने के लिए प्रेरित किया जाएगा। कार्यक्रम में एसडीएम सदर योगिता सिंह, शाहगंज के क्षेत्राधिकारी और नगर क्षेत्राधिकारी सम्यक् चौधरी सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

पत्नी से विवाद के बाद मोबाइल टावर पर चढ़ा युवक

जौनपुर। तेजी बाजार थाना क्षेत्र के कांठी गांव में पत्नी से विवाद के बाद आक्रोशित व्यक्ति मोबाइल टावर पर चढ़ गया। यह पूरा हाई वोल्टेज ड्रामा तब शुरू हुआ जब उसकी पत्नी ने उसके साथ वापस घर चलने से साफ इनकार कर दिया।गैरीकलन निवासी विशाल कनोजिया का अपनी पत्नी रिकी के साथ दो दिन पहले झगडा हुआ था। इस विवाद के बाद रिकी अपने मायके या किसी रिश्तेदार के घर (कलंजिरा गांव) चली गईं थी। विशाल अपनी 17 महीने की बेटी से मिलने कलंजिरा गया और रिकी से वापस घर चलने की मिन्नतें की, लेकिन जब रिकी नहीं मानी, तो विशाल का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। गुस्से में पागल विशाल सीधे कांठी गांव पहुंचा और वहां लगे एक मोबाइल टावर पर चढ़ गया। टावर की ऊंचाई देखकर नीचे खड़े लोगों में अफरा–तफरी मच गई और देखते ही देखते वहां भारी भीड़ जमा हो गई। विशाल की इस जित के बाद पुलिस को सूचना दी गई, जिसके बाद तेजबाजार थाना प्रभारी सतेन्द्र भाई पटेल अपनी टीम और फायर ब्रिगेड के साथ मौके पर पहुंचे।पुलिस और बचाव दल ने कशीब दो घंटे तक विशाल को समझाने की कोशिश की। काफी मशक्कत और बातचीत के बाद आखिरकार विशाल नीचे उतरने के लिए तैयार हुआ। पुलिस ने सावधानीपूर्वक उसे नीचे उतारा और उसके बाद विशाल, रिकी और परिवार के अन्य सदस्यों को थाने ले जाया गया।थाने में पुलिस अधिकारियों ने दोनों पक्षों की काउंसलिंग की और उन्हें आपसी मतभेद सुलझाने की सलाह दी। पुलिस की मध्यस्थता और बातचीत का असर यह हुआ कि पति–पत्नी के बीच सहमति बनी और दोनों एक साथ अपने घर वापस लौट गए।

अब्दुल कलाम के विचार युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत

जौनपुर। समाजवादी पार्टी द्वारा जिला कार्यालय, सदर चुंगी, अल्फरटीनगंज में भारत के पूर्व राष्ट्रपति, मिसाइल मैन, महान वैज्ञानिक एवं दार्शनिक, भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती समारोहपूर्वक मनाई गई। गोष्ठी की अध्यक्षता वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष श्री श्याम बहादुर पाल ने की तथा संचालन जिला महासचिव श्री आरिफ हबीब ने किया। गोष्ठी को संबोधित करते हुए पाल ने कहा कि डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम साहब का जीवन सादगी, संघर्ष, वैज्ञानिक सोच और राष्ट्रसेवा का अनुपम उदाहरण है। साधारण परिवार से निकलकर देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंचने वाले डॉ. कलाम ने अपनी प्रतिभा और समर्पण से भारत को रक्षा एवं अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में नई पहचान दिलाई। उन्हें ‘मिसाइल मैन’ के नाम से जाना जाता है। उन्होंने सदैव युवाओं को बड़े सपने देखने, ज्ञान अर्जित करने और देश की प्रगति में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। उनका जीवन हमें सिखाता है कि दृढ़ इच्छाशक्ति, शिक्षा और मेहनत से हर लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। लक्ष्मीकांत यादव, धीरज, बिना, लालमणि यादव, आलोक कुमार यादव, राजवीर यादव, निजामुद्दीन, मोनू सोनकर सहित अन्य पदाधिकारी एवं पार्टीजन उपस्थित रहे।

जौनपुर, गुरुवार, 15 अक्टूबर 2026

जारी रहेगा, जब तक समाज में सकैं। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य किसी की खुशियाँ पर रोक लगाना नहीं, बल्कि पतंगबाजी के नाम पर किसी परिवार की खुशियां उजड़ने से बचाना है। जब बच्चे जागरूक होंगे तो परिवार जागरूक होगा और परिवारों की जागरूकता से समाज में बदलाव आएगा। विकास तिवारी ने विद्यालय के शिक्षकों और प्रबंधन के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रतिबंधित मांडे के खिलाफ उनका अभियान तब तक

सीडीओ ने स्वयं सहायता समूह के उत्पादों का किया निरीक्षण, ब्रांडिंग और ऑनलाइन मार्केटिंग पर जोर

ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। मुख्य विकास अधिकारी नरेंद्र कुमार सिंह ने बक्सा ब्लॉक के नरी गांव स्थित जनकल्याण आजीविका स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) द्वारा तैयार किए जा रहे विभिन्न उत्पादों का गुरुवार को निरीक्षण किया। उन्होंने समूह के कार्यों की सराहना करते हुए इसे और अधिक सक्षम



बनाने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। सीडीओ ने उत्पादों की बिक्री बढ़ाने के लिए आकर्षक ब्रांड नाम तय करने, बाजार में उनकी पहुंच बढ़ाने और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराने की दिशा में प्रभावी कदम उठाने पर जोर दिया। उन्होंने समूह को अधिक संसाधनयुक्त बनाने के साथ उत्पादों की ब्रांडिंग और मार्केटिंग की ठोस व्यवस्था विकसित करने के निर्देश दिए, ताकि समूह की आय बढ़ाने और उसे आत्मनिर्भर बनाने में मदद मिल सके।

पत्नी से विवाद के बाद मोबाइल टावर पर चढ़ा युवक

जौनपुर। तेजी बाजार थाना क्षेत्र के कांठी गांव में पत्नी से विवाद के बाद आक्रोशित व्यक्ति मोबाइल टावर पर चढ़ गया। यह पूरा हाई वोल्टेज ड्रामा तब शुरू हुआ जब उसकी पत्नी ने उसके साथ वापस घर चलने से साफ इनकार कर दिया।गैरीकलन निवासी विशाल कनोजिया का अपनी पत्नी रिकी के साथ दो दिन पहले झगडा हुआ था। इस विवाद के बाद रिकी अपने मायके या किसी रिश्तेदार के घर (कलंजिरा गांव) चली गईं थी। विशाल अपनी 17 महीने की बेटी से मिलने कलंजिरा गया और रिकी से वापस घर चलने की मिन्नतें की, लेकिन जब रिकी नहीं मानी, तो विशाल का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। गुस्से में पागल विशाल सीधे कांठी गांव पहुंचा और वहां लगे एक मोबाइल टावर पर चढ़ गया। टावर की ऊंचाई देखकर नीचे खड़े लोगों में अफरा–तफरी मच गई और देखते ही देखते वहां भारी भीड़ जमा हो गई। विशाल की इस जित के बाद पुलिस को सूचना दी गई, जिसके बाद तेजबाजार थाना प्रभारी सतेन्द्र भाई पटेल अपनी टीम और फायर ब्रिगेड के साथ मौके पर पहुंचे।पुलिस और बचाव दल ने कशीब दो घंटे तक विशाल को समझाने की कोशिश की। काफी मशक्कत और बातचीत के बाद आखिरकार विशाल नीचे उतरने के लिए तैयार हुआ। पुलिस ने सावधानीपूर्वक उसे नीचे उतारा और उसके बाद विशाल, रिकी और परिवार के अन्य सदस्यों को थाने ले जाया गया।थाने में पुलिस अधिकारियों ने दोनों पक्षों की काउंसलिंग की और उन्हें आपसी मतभेद सुलझाने की सलाह दी। पुलिस की मध्यस्थता और बातचीत का असर यह हुआ कि पति–पत्नी के बीच सहमति बनी और दोनों एक साथ अपने घर वापस लौट गए।

अब्दुल कलाम के विचार युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत

जौनपुर। समाजवादी पार्टी द्वारा जिला कार्यालय, सदर चुंगी, अल्फरटीनगंज में भारत के पूर्व राष्ट्रपति, मिसाइल मैन, महान वैज्ञानिक एवं दार्शनिक, भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती समारोहपूर्वक मनाई गई। गोष्ठी की अध्यक्षता वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष श्री श्याम बहादुर पाल ने की तथा संचालन जिला महासचिव श्री आरिफ हबीब ने किया। गोष्ठी को संबोधित करते हुए पाल ने कहा कि डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम साहब का जीवन सादगी, संघर्ष, वैज्ञानिक सोच और राष्ट्रसेवा का अनुपम उदाहरण है। साधारण परिवार से निकलकर देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंचने वाले डॉ. कलाम ने अपनी प्रतिभा और समर्पण से भारत को रक्षा एवं अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में नई पहचान दिलाई। उन्हें ‘मिसाइल मैन’ के नाम से जाना जाता है। उन्होंने सदैव युवाओं को बड़े सपने देखने, ज्ञान अर्जित करने और देश की प्रगति में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। उनका जीवन हमें सिखाता है कि दृढ़ इच्छाशक्ति, शिक्षा और मेहनत से हर लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। लक्ष्मीकांत यादव, धीरज, बिना, लालमणि यादव, आलोक कुमार यादव, राजवीर यादव, निजामुद्दीन, मोनू सोनकर सहित अन्य पदाधिकारी एवं पार्टीजन उपस्थित रहे।

देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती
किरण देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश
की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर
उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

**समाचार-पत्र से संबन्धित समस्त विवादों
का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा ।**